



जवान लड़की की सेक्स कहानी-2

“गोरा गठीला कमसिन जवान बदन देख मेरा नशा दुगना हो गया. 19 साल की मदमस्त लड़की मेरे सामने नंगी लेटी थी, उसकी सांसों से उसके चूचे को कातिलाना तरीके से ऊपर नीचे हो रहे थे। ...”

Story By: (mushkann)

Posted: Tuesday, September 24th, 2019

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [जवान लड़की की सेक्स कहानी-2](#)

जवान लड़की की सेक्स कहानी-2

📖 यह कहानी सुनें

दोस्तो, आपका स्वागत है मेरी रीयल सेक्स कहानी के दूसरे भाग में।

कहानी के पहले भाग

जवान लड़की की सेक्स कहानी-1

मैं आपने पढ़ा कि किस तरह मैंने पूजा और सुखविन्दर की चुदाई का कार्यक्रम बना दिया. मेरा ऐसा करने का कभी मन नहीं था मगर माहौल ही कुछ ऐसा बना कि ये सब हो गया।

दोस्तो, आगे की रीयल सेक्स कहानी अब सुखविन्दर की हिसाब से पढ़िए।

दोस्तो, मैं मुस्कान को अगल कमरे में छोड़ पूजा के पास आ गया और कमरे का दरवाजा बंद कर पूजा के पास गया.

वो पलंग पे बैठी हुई थी.

मैंने हाथ को पकड़ कर उसे खड़ा किया. नशे के कारण उसके पैर लड़खड़ा रहे थे। मैंने उसकी कमर को थामते हुए उसे सम्हाला।

उसके जिस्म की मादक खुशबू पाकर मेरा मोटा लंड एक झटके में खड़ा हो गया। उसने लोवर और टीशर्ट पहनी हुई थी।

मैंने उसे कहा- देखो, आज रात तुम मेरी हो और मैं तुम्हारा! तुम अपने दिल से निकाल दो कि हम दोनों की उम्र क्या है, बस बिना शर्म के मेरा साथ दो. मैं तुम्हें इतना खुश कर दूंगा कि जिंदगी भर मुझे याद करोगी।

“बोलो दोगी न मेरा साथ?”

उसने मेरी तरफ देखते हुए कहा- हां !

मैंने उसे अपने से चिपका लिया और उसके काम्पते हुए गुलाबी होंठों पे अपने होंठ रख दिए और मलाई की तरह उसके होंठ चाटने लगा ।

वो भी गर्म हो गई और अपने होंठ भी चलाने लगी ।

मेरा एक हाथ उसके कमर में था और दूसरा हाथ उसके गले में ।

कुछ देर में मेरा एक हाथ सरक कर उसकी गांड में पहुच गया और उसकी गांड को दबा कर अपने से चिपका लिया.

मैं आज पूजा की जवानी का पूरा मजा लेना चाहता था ।

काफी देर उसको चूमने के बाद मैंने उसके होंठों को आजाद किया. अब जल्द से जल्द मैं उसे नंगी कर देना चाहता था क्योंकि वो नशे में थी और अच्छे से खड़े नहीं हो पा रही थी । मैंने तुरंत उसकी टीशर्ट उतार फेंकी. अन्दर उसने कुछ नहीं पहना था, उसके बड़े बड़े दूध तन कर मेरे सामने आ गए. फिर मैंने तुरन्त ही उसका लोवर भी नीचे खिसका दिया. अब तो वो पूरी तरह से नंगी हो गई, उसने चड्डी भी नहीं पहन रखी थी ।

मैंने उसे बिस्तर पर लेटा दिया और वो आँखें बंद किये चुपचाप लेटी रही ।

मैं अपने कपड़े उतारते हुए उसके नंगे बदन को देखता जा रहा था ।



Jawan Ladki Ki Sex Kahani

गोरा गठीला बदन देख मेरा नशा दुगना हो गया था दोस्तो, 19 साल की मदमस्त लड़की मेरे सामने नंगी लेटी हुई थी, आप मेरी हालत को समझ सकते होंगे।

उसकी तेज़ सांसों उसके दूध को बहुत ही कातिलाना तरीके से ऊपर नीचे कर रही थी।

मैंने अपने दोनों हाथों से उसके बड़े बड़े दूध को सहलाते हुए उसका एक निप्पल अपने मुँह में भर लिया।

उसने एक तेज़ सिसकारी ली- आआअह्हूह नहीं ईईईई!

मैंने अपनी जांघें उसकी चिकनी मोटी जांघों पर रख दिए।

ठण्ड का मौसम था पर उसका पूरा बदन एकदम आग की तरह गर्म था।

मैं उसके निप्पल को बेतहाशा चूमे जा रहा था और दूसरे दूध को मसले जा रहा था और वो किसी नागिन की तरह मचल रही थी।

मेरे कठोर हाथों के कारण कुछ ही देर में उसके मुलायम दूध लाल हो गए, मेरा 8 इंच का लंड बार बार उसकी चूत को छू रहा था।

अब मैं धीरे धीरे नीचे होता गया और उसके पेट और कमर को चूमते हुए उसकी गर्म चूत

तक जा पहुंचा।

उसकी चूत से हल्का हल्का पानी निकल रहा था। एक भी बाल नहीं था उसकी चूत पर वो एकदम चिकनी थी।

गोलगप्पे की तरह फूली उसकी चूत देख कर ही पता लग रहा था कि इसकी अच्छे से चुदाई नहीं हो पाई थी।

मैंने उसकी चूत पे अपनी जीभ से चाटना शुरू किया।

उसके मुँह से निकला- ओओह्ह्ह अंकल ... नहीं ... मत करिए।

उसकी आवाज में एक आग्रह था. मैं भी कहाँ कच्चा खिलाड़ी था. उसकी गांड को दोनों हाथों से पकड़ कर थोड़ा उठा दिया और पूरा मुँह उसकी चूत में लगा दिया।

उसकी चूत की महक मुझे पागल बना रही थी. मैं उसे कुत्ते की तरह चाटने लगा।

ऐसी कमसिन चूत बहुत किस्मत से मिलती है दोस्तो ... मैं उसका पूरा मजा लेना चाहता था।

पूजा की सिसकारी से पूरा कमरा गूँज रहा था।

कुछ ही देर की चूत चटाई में पूजा झड़ गई, उसकी चूत से गिर रहा एक एक बून्द पानी मैं चाट गया। फिर भी मैंने लगातार उसकी चूत को चाटना जारी रखा।

वो कुछ ही देर में फिर गर्म हो चुकी थी और फिर से उसकी आहें निकलने लगी- आआअह्ह अंकल बस करो। आआआ अह्ह आअह!

मैंने अपना मुँह उसकी चूत से हटाया और चूत को उँगलियों से सहलाते हुए एक उँगली चूत में डाल दी।

“ऊऊऊईई ईईई मम्मी ... नहीं करो।”

मैं जल्दी जल्दी उंगली को अन्दर बाहर करने लगा. इतने में ही उसकी गांड उचकने लगी. उसकी चूत भले ही चुद गई थी मगर अभी वो पूरी तरह से खुली नहीं थी।

उसके गांड उचकाने से मुझे लग गया था कि ये चुदाई में मस्त मजा देने वाली है। मैंने देर न करते हुए अपनी चड्डी भी उतार फेंकी. मेरा लंड फनफना के बाहर निकल आया. उसको देख उसकी आँखें फटी की फटी रह गई.

अब मैं उसके ऊपर लेट गया और उसके गाल को चूमते हुए उसके कान में बोला- क्या हुआ ? डर गई क्या मेरा देख कर ?

“अंकल, आपका तो बहुत मोटा है।”

मैंने कहा- कुछ नहीं होगा, बड़े आराम से चला जायेगा।

ऐसा कहते हुए एक हाथ से अपने लंड को पकड़ के उसकी चूत में रगड़ने लगा और उससे पूछा- कैसा लग रहा है ?

“बहुत गर्म है अंकल।”

“तू भी तो बहुत गर्म है मेरी जान ... तेरे जैसी गर्म लड़की हर किसी को कहाँ मिलती है।”

“बोल डाल दूँ अब ?”

वो मुस्कुराती हुई बोली- हां !

मैंने उसकी दोनों जांघें थोड़ी फैला दी और चूत के छेद में अपना सुपारा लगाते हुए पहले उसके गाल और फिर उसके होंठों को चूमने लगा.

वो भी अपने दोनों हाथों से मेरी पीठ को सहलाने लगी।

मैंने कसकर उसे अपने सीने से लगा लिया।

अब मैंने लंड पर थोड़ा दबाव देना शुरू किया. लंड का सुपारा छेद में फिसलना शुरू हुआ.

जैसे जैसे लंड छेद में घुसता जा रहा था, वो दर्द से मचलती जा रही थी.
मैंने उसके मुँह को पहले ही अपने मुँह से बंद कर रखा था।

कुछ ही पल में आधा लंड चूत में समा चुका था।

मैंने उतने में ही रुकते हुए उससे पूछा- कैसा लग रहा है ?

“सहन नहीं हो रहा अंकल बहुत मोटा है।”

मैंने कहा- कुछ नहीं होगा, बस कुछ ही देर में सब अच्छा लगने लगेगा।

इतना कहते हुए मैंने एक झटके में ही पूरा लंड चूत में पेल दिया।

“आआईईई मम्मीईईई आआअह्हह अंकल ... नहीं सह पाऊँगी ... निकाल लो।”

मगर मैं ऐसे ही उसके ऊपर लेटा रहा. कुछ ही देर में वो समान्य हो गई।

अब मैंने उसकी चुदाई शुरू की. पहले धीरे धीरे धक्के लगाता रहा और वो भी इसका पूरा मजा लेती रही. फिर मैंने अपने धक्के तेज़ करने शुरू किये और गप गप करके लंड उसकी चूत की चुदाई करता रहा।

“आअह्ह उम्मह... अहह... हय... याह... मम्ममीईईई ओह्हह मर गईईईई
आआअह्हह !”

उसने भी अपनी गांड उचकाना शुरू कर दिया, अब हम दोनों ही चुदाई का मजा ले रहे थे.

मेरे तेज़ धक्कों को भी वो बड़ी आसानी से झेल ले रही थी।

इतनी तेज़ चुदाई से उसके दोनों दूध तेज़ी से आगे पीछे हो रहे थे.

ऐसा देख कर मैं एक ही बात सोच रहा था कि इस लड़की के नाम से कितने दिन मैंने लंड हिला कर अपना पानी निकाला है आज उसी को चोद रहा हूँ।

करीब 10 मिनट की चुदाई के बाद पूजा बुरी तरह से मुझसे लिपट गई और झड़ गई।

मगर मैं अभी भी तेज़ रफ्तार से चुदाई किये जा रहा था।

अब उसकी सिसकारी तेज़ आवाज में बदल गई थी- बस अंकल, रहने दो ... नहीं ना! बस करो न!

ऐसा ही कहते जा रही थी.

उसके बाद कुछ ही देर में मैंने भी अपना पूरा पानी उसके पेट के ऊपर गिरा दिया और शान्त होकर उसकी बगल में लेट गया.

हम दोनों की ही साँसें तेजी से चल रही थी।

कुछ देर में जब पूजा सामान्य हुई तो वो उठकर अपनी चड्डी पहनने लगी.

मैंने उसका हाथ पकड़ कर अपनी बांहों में खींच लिया और बोला- इतनी जल्दी क्या है कपड़े पहनने की? अभी तो पूरी रात बाकी है।

वो बोली- नहीं, बस हो गया न! अब कितना करोगे?

इतना कह कर वो मुझसे अलग हुई और बिस्तर के बाहर चली गई.

मैंने तुरंत उठकर उसे अपनी बांहों में भर लिया और बोला- बस एक बार और करूँगा, बस फिर मत करना.

और उसे वैसे ही खड़े करके चूमने लगा।

उसका एक हाथ पकड़ते हुए अपने लंड पे ले गया और वो मेरा लंड आगे पीछे करते हुए सहलाने लगी।

कुछ ही देर में हम दोनों के जिस्म एक बार फिर से गर्म हो गए।

मैंने वैसे ही खड़े करके उसकी एक जांघ को उठकर अपनी कमर में फंसा लिया और लंड को

एक बार मैं उसकी चूत में उतार दिया। मैंने उस जवान लड़की की गांड को पकड़ के जोरदार चुदाई चालू कर दी।

वो मुझसे इस तरह चिपकी हुई थी कि उसके दूध मेरे सीने में दबे जा रहे थे।

कुछ देर इस तरह चोदने के बाद मैंने उसे दीवार से सटा कर पेट के बल खड़ा कर दिया, अब उसकी गांड की तरफ से उसके चूत में लंड डाल कर उसकी चुदाई किये जा रहा था।

तभी वो झड़ गई और उसका पानी उसकी जांघों से होता हुआ फर्श पर गिरने लगा।

मगर मैंने उसे अभी छोड़ा नहीं था क्योंकि मुझे अभी उसकी गांड मारनी थी।

मैंने उसे गोद में उठा लिया और बिस्तर में ले जा कर पेट के बल लेटा दिया और झट से तेल की बोतल ले आया और उसके गांड के छेद में तेल लगा दिया।

वो समझ गई थी कि मैं क्या करने वाला हूँ।

वो तुरंत उठने लगी मगर मैं उसे फिर से बिस्तर पर गिरा दिया और उसके ऊपर चढ़ गया अब वो हिल भी नहीं पा रही थी।

मैंने अपने दोनों पैरों से उसके पैर फैला दिये और गांड में लंड लगा कर अन्दर करने लगा।

वो बस कहे जा रही थी- नहीं अंकल, वहाँ मत करिए ... वहाँ बहुत दर्द होगा. प्लीज छोड़ दो!

मैंने उसकी एक न सुनते हुए लंड उसकी गांड में पेल दिया।

उसकी तो जैसे साँसे रुक गई, आवाज भी अच्छे से नहीं निकल पा रही थी।

मैं उसको कस कर पकड़े हुए था।

और जब वो शान्त हुई तो उसकी चुदाई शुरू कर दी।

मेरे धक्के से उसके जिस्म का हर अंग काम्प रहा था। वो पहली बार अपनी गांड चुदवा रही

थी।

बहुत ही टाइट गांड थी उसकी ... वो तो बस रोए जा रही थी. मगर मैं अपना काम करता रहा।

जब तक मेरा पानी निकला तब तक वो बिल्कुल निढाल होकर लेटी रही और मेरा पूरा पानी उसकी गांड में जाता रहा।

इस तरह उस रात मैंने उसकी चुदाई की।

मेरी रीयल सेक्स कहानी कैसी लगी ?

mushkann85@gmail.com

Other stories you may be interested in

तीन पत्ती गुलाब-34

भाभी ने अपने दोनों हाथ भैया की पीठ पर कस लिए और अपने टांगें भी और ज्यादा फैला दी। भैया ने उसके होंठों को चूमते हुए धक्के लगाने शुरू कर दिए। भाभी ने अपनी आँखें बंद कर ली थी। “साली [...]

[Full Story >>>](#)

जवान लड़की की सेक्स कहानी-1

मेरी पिछली सेक्स कहानी पंजाबी लंड से शहर में जिस्म की आग बुझाई में आप लोगों ने पढ़ा होगा कि कैसे मैंने अपने पति के मैनेजर के साथ अपने जिस्म की प्यास बुझाई, उसके दोस्त के साथ किस तरह ग्रुप [...]

[Full Story >>>](#)

जवानी की शुरुआत में स्कूलगर्ल की अन्तर्वासना-6

सचिन ने मुझे दीवार से सटाया और मेरी चूत में लंड लगा के कहा- थोड़ी देर आगे से फिर पीछे से! और एक झटके में मेरी चूत में लंड डाल दिया अपना। मैंने हल्की ‘सी सी ...’ की सिसकारी भरी [...]

[Full Story >>>](#)

जवानी की शुरुआत में स्कूलगर्ल की अन्तर्वासना-5

रात के लगभग 2 बज चुके थे और मैं और सचिन उसके कमरे में बिल्कुल नंगे ही पड़े थे और इधर उधर की बातें कर रहे थे। सचिन और मैं दोनों ही साफ होके आ गए थे बाथरूम से और [...]

[Full Story >>>](#)

तीन पत्ती गुलाब-31

मैं अपनी कामवाली की चूत चोद चुका था और अब उसकी गांड मारने को उतावला था। लेकिन उसे गांड के लिए मानना थोड़ा मुश्किल लग रहा था। मैंने गौरी को 1 घंटे तक अंग्रेजी और मैथ पढ़ाया। सोने के लिए [...]

[Full Story >>>](#)

